

## १३. साधूपदेश

### प्रस्तावना

काका हाथरसी

(जन्म : 1906 ई., निधन : 1995 ई.)

\* ‘काका हाथरसी’ हिन्दी के जानेमाने हास्य-व्यंग्यकार थे। इन्होंने हिन्दी जगत में एक विशेष पहचान बनायी है। उनका मूल नाम **प्रभुलाल गर्ग** था, पर हाथरस में एक नाट्यमंचन के दौरान इन्होंने ‘काका’ की भूमिका निभायी थी तभी से उन्होंने स्वयं अपना तखल्लुस यानि की उपनाम ‘काक हाथरसी’ रख लिया। हिन्दी के हास्य कवियों को मंच देने का श्रेय इनको जाता है। जहाँ कहीं भी हास्य कवि संमेलन आयोजित होते थे वहाँ काका की अनिवार्य अनुपस्थिति होती थी।

हिन्दी की सुविख्यात पत्र-पत्रिकाएँ जैसे ‘धर्मयुग’, ‘साप्ताहिक हिन्दुस्तान’, ‘बीणा’ आदि में इनकी रचनाएँ नियमित रूप से प्रकाशित होती रहती थीं। कुल मिलाकर काका हाथरसी के नाम **42 संकलन** मिलते हैं। व्यंग्य-हास्य के क्षेत्र में आपके सुपुत्र निर्भय हाथरसी का नाम भी प्रसिद्ध है।

**1985** में काका हाथरसी को भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित ‘**पद्मश्री**’ से सम्मानित किया गया। हिन्दी अकादमी, दिल्ली द्वारा प्रति वर्ष इनके नामका काका हाथरसी पुरस्कार दिया जाता है।

प्रस्तुत रचना में ढोंगी धूर्त बाबाओं की लीला का चित्रण किया गया है। ‘साधूपदेश’ शीर्षक से तो लगता है साधु अर्थात् सज्जन का उपदेश होगा पर कवि ने व्यंग्य शैली अपनाकर ऐसे साधु, ढोंगी बाबा आदि के प्रति अपना आक्रोश प्रकट किया है। इस कविता में ढोंगी साधु अपने भक्तगण को उपदेश देते हुए अपनी ही बुराईया बता रहे हैं। तो चलिए इस व्यंग्य और कटाक्ष से भरी कविता का अध्ययन करते हैं।

### स्वाध्याय

**१. निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए :**

१. कवि भक्तगण को कोन – से गुण ग्रहण करने की बात करते हुए व्यंग्य करते हैं ?

- ( अ ) पोथी पढ़कर ज्ञानी बनना
- ( ब ) हाथ में गोमुखी लेकर ईश्वर स्मरण करना
- ( क ) मुख में राम बगल में छुरी चलाना
- ( ड ) उपदेश सुनना

२. आजकल के साधु के सामने कोई तर्क करने आये तो वे क्या युक्ति करेंगे ?

- ( अ ) अपने को ही ज्ञानी सिद्ध करेंगे
- ( ब ) डर के मारे वाद – विवाद ही नहीं करेंगे
- ( क ) अपनी झोपडी में प्रवेश ही नहीं करने देंगे
- ( ड ) अपनी पोल खुल न जाए इसके लिए मौन रहेगे

## २. निम्नलिखित प्रश्नों के एक – एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१. दिखावा करते हुए साधु कैसा व्यवहार करता है ?

उत्तर : दिखावा करते हुए साधु हाथ में गोमुखी लेकर माला फेरता है और विनम्र बनने का नाटक करता है जब कि अंदर से कपट और छल करने से नहीं चुकता ।

२. साधु उपदेश देने के लिए झोपडी कहा बनाते हैं ?

उत्तर : साधु उपदेश देने के लिए झोपडी नगर से बहार बगीचे में बनाते हैं ।

३. दंभी साधुओं को किस बात का भय सताता है ?

उत्तर : दंभी साधुओं को इस बात का भय सताता है कि कोई तर्क करने के लिए ना आ जाए वरना उनकी पोल खुल जाएगी ।

४. साधु मौन धारण क्यों करते हैं ?

उत्तर : साधु मौन इसलिए धारण करते हैं कि अगर कोई उनसे तार्किक प्रश्न करे और साधु की पोल खुल जाए इसलिए मौन रहकर इस दुविधा से बचा जा सके ।

## ३. निम्नलिखित प्रश्नों के दो -तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. ढोंगी साधु भक्तजनों को क्या उपदेश देते हैं ?

उत्तर : ढोंगी साधु अपने भक्तजनों को उपदेश देते हैं कि हाथ में सदा गोमुखी और माला रखने की ऊपर से विनम्र बने रहने का और भीतर से छुरी चलाते रहने का । नगर से बहार बगीचे में झोपडी बना के रहने का और दीप जैसा देह चमकना चाहिए और सर मुड़वा के रखने का । अगर कोई तर्क करने आए तो मौन व्रत धारण कर लेने का । फल की चिंता किए बिना कर्म करते जाओ । स्वर्ग – नर्क की चिंता छोड़ दो और पाप का घड़ा भर जाए तो काशी जाकर फोड़ दो ।

२. ढोंगी साधु मोन व्रत क्यों धारण करते हैं ?

उत्तर : ढोंगी साधु इसलिए मोन व्रत धारण करते हैं क्योंकि उनके पास कुछ ज्ञान होता नहीं और अगर ऐसे में कोई उनसे तार्किक प्रश्न करने आए और साधु की पोल खुल जाए तो अपनी पोल खुलने के डर से बचने के लिए वो सबसे सरल

उपाय मोन है वो अपना ले जिससे वो जवाब देने से बच जाए और पोल भी ना खुले ।

३. ' साधुपदेस ' काव्य मे काका हाथरसी ने किस पर व्यंग्य किया है ?

उत्तर : ' साधुपदेस ' काव्य मे काका हाथरसी ने उन साधुओ पर व्यंग्य किया है जो ना तो बिलकुल पढे लिखे है और ना उनके पास कोई ज्ञान है । जो मात्र साधु वेश धारण करके साधु बनने का नाटक करते है । जिनको पाप और पुण्य से भी कोई फर्क नही पड़ता, जो पाप करने से भी डरते है ।

४. निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ देकर वाक्य मे प्रयोग कीजिए :

पोल खोलना

अर्थ : रहस्य प्रकट करना, भेद खोलना

वाक्य : ढोंगी बाबा ने अपनी पोल खुलने के डर से मोन धारण कर लिया ।

५. निम्नलिखित शब्दों के विरोधी शब्द दीजिए :

प्रिय	-	अप्रिय
नम्र	-	कठोर, उदंड
भीतर	-	बहार
भय	-	निर्भयता
मोन	-	मुखर

६. निम्नलिखित शब्दों के विशेषण बनाईए:

स्वर्ग	-	स्वर्गीय
चमक	-	चमकीला
तर्क	-	तार्किक
धर्म	-	धार्मिक
देह	-	दैहिक
नगर	-	नागरिक

७. निम्नलिखित शब्दों की भाववाचक संज्ञा बनाईए :

नम्र	-	नम्रता
कांपना	-	कंपन
गुणी	-	गुण
भयभीत	-	भयभीति

८. निम्नलिखित शब्दों का कर्तुवाचक संज्ञा बनाईए :

उपदेश	-	उपदेशक
धर्म	-	धार्मिक
झगड़ा	-	झगड़ालू

